Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 21

No. of Printed Pages – 7

SS–21–Hindi Sah. (Supp.)

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक पूरक परीक्षा, 2025

SENIOR SECONDARY SUPPLEMENTARY EXAMINATION, 2025

हिंदी साहित्य

समय : 3 **घण्टे** 15 **मिनिट**

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

यहाँ से काटिए

खण्ड – अ

प्र.1) निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए। [15 × 1 = 15]

i) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में वर्णित दो मुँह वाला साँप है –

अ) डोंडहा ब) मजगिदवा

स) फेंटारा द) भटिहा

ii) 'अपना मालवा खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ जनसत्ता के किस स्तंभ से लिया गया है?

अ) कागद कारे ब) कागद कोरे

स) कागद करारे द) कागद खारे

iii) 'अपना मालवा खाऊ–उजाड़ू सभ्यता' में शिप्रा को किस कवि की नदी कहा है?

अ) माघ ब) कालिदास

स) भवभूति द) राजशेखर

iv) सूरदास को मुख्यतः किस बात का दुःख था?

अ) झोंपड़े के जल जाने का ब) बरतन आदि के जल जाने का

स) पैसे की पोटली खो जाने का द) सुभागी को बचाने का

v) बिस्कोहर है –

अ) एक प्रकार का धान ब) खेल का मैदान

स) गाँव द) एक प्रकार का पुष्प

vi) देवसेना का गीत मूलतः किस विधा से उद्धृत है?

अ) कहानी ब) उपन्यास

स) संस्मरण द) नाटक

vii) घनानंद मूलतः –

अ) प्रेम की पीड़ा के कवि हैं। ब) संप्रदाय सापेक्ष कृष्ण भक्त कवि हैं।

स) विशुद्ध श्रृंगारी कवि हैं। द) राष्ट्र प्रेम के ओजस्वी भाव के कवि हैं।

viii) 'वसंत आया' कविता के कवि रघुवीर सहाय किस सप्तक के कवि हैं?

अ) सप्तक ब) दूसरा सप्तक

स) तीसरा सप्तक द) चौथा सप्तक

ix) उपाध्याय जी किसे भाषा मानते थे?

अ) नागरी को ब) फारसी को

स) अंग्रेजी को द) अरबी को

x) 'साझा' कहानी के अनुसार ''अपने पराए की बात मत करो'' यह कथन किसका है?

अ) किसान का ब) मगरमच्छ का

स) शेर का द) हाथी का

xi) सिंगरौली को अपने सौंदर्य के कारण बैकुंठ तथा अकेलेपन के कारण क्या माना जाता था?

अ) नरक ब) काला पानी

स) संपदा द) पर्यटन स्थल

xii) कथानक के स्वरुप में सम्मिलित नहीं है –

अ) प्रारंभ ब) अंत

स) मध्य द) अंतराल

xiii) नाटक में सामान्यतः अंक होते है –

अ) एक ब) दो

स) चार द) तीन

xiv) गहन छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर लिखा गया लेखन कहलाता है?

अ) संपादकीय ब) स्तंभ लेखन

स) विशेष रिपोर्ट द) व्यक्ति चित्र

xv) संवाददाताओ के बीच रुचि और ज्ञान के आधार पर काम का विभाजन कहलाता है –

अ) डेस्क ब) न्यूज़पेग

स) वाररुम द) बीट

प्र.2) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित उत्तर से कीजिए। **[6 × 1 = 6]**

i) ''इंद्र जिमि जंभ पर, बाडव सुअंभ पर रावण सदंभ पर रघुकुल राज है।'' पंक्ति में ..... गुण है।

ii) जहाँ काव्य में प्रयुक्त शब्द सुनने पर कठोर कर्कश और कड़वे प्रतीत होते हैं वहाँ पर ..... दोष होता है।

iii) ..... छंद के प्रत्येक चरण में 31-31 वर्ण एवं 16-15 वर्ण पर यति होती है।

iv) ''अतीव हो अन्यमना विषादिता।'' पंक्ति में प्रयुक्त वर्णिक छंद ..... है।

v) अलंकार के मुख्यतः दो भेद है, एक ..... दूसरा अर्थालंकार।

vi) जहाँ उपमेय को उपमान से श्रेष्ठ बताया जाए वहाँ पर ..... अलंकार होता है।

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [6 × 1 = 6]

मित्र का कर्त्तव्य इस प्रकार बताया गया है, ''उच्च और महान कार्यो में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना की तुम अपनी–अपनी सामर्थ्य से बाहर काम कर जाओ । यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़ चित्त और सत्य–संकल्प का हो । इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए । जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो । हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था । मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सके और यह विश्वास कर सकें कि उनमें किसी प्रकार का धोखा न होगा ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
ii) गद्यांश के अनुसार मित्रता का क्या कर्त्तव्य है?
iii) मित्र कैसा होना चाहिए?
iv) मित्रता का कर्त्तव्य किससे पूरा हो सकेगा?
v) गद्यांश का संदेश लिखिए ।
vi) मित्र के दो पर्यायवाची और दो विलोम शब्द लिखिए ।

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर–पुस्तिका में लिखिए । [6 × 1 = 6]

जो नहीं हो सके पूर्ण काम
मैं उनको करता हूँ प्रणाम
कुछ कुंठितऔ कुछ लक्ष्य–भ्रष्ट
जिनके अभिमंत्रित तीर हुए;
रण की समाप्ति के पहले ही
जो वीर रिक्त तूणीर हुए ।
उनको प्रणाम
जो छोटी सी नैया लेकर
उतरे करने को उदधि–पार;
मन की मन में ही रही,
स्वयं हो गए उसमें निराकार
उनको प्रणाम

i) पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।
ii) कवि किन–किन को प्रणाम कर रहा है?
iii) ''मन की मन में ही रही'' पंक्ति का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए ।
iv) तूणीर और उदधि शब्दों के अर्थ लिखिए ।
v) पद्यांश का संदेश स्पष्ट कीजिए ।
vi) कुंठित और लक्ष्यभ्रष्ट शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुए है?

खण्ड – ब

निर्देश – प्रश्न संख्या 5 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द हैं ।

प्र.5) 'जहाँ कोई वापसी नहीं' पाठ में विस्थापित जन को आधुनिक भारत के नए शरणार्थी क्यों कहा गया है? [2]

प्र.6) पाठ्यांश के आधार पर यास्सेर अराफ़ात की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए । [2]

प्र.7) ''मो पर कृपा सनेहु बिसेखी ।
खेलत खुनस न कबहूँ देखी ।।''
पंक्ति के भाव सौंदर्य की विवेचना कीजिए । [2]

प्र.8) ''दुःख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही ।''
पंक्तियों का शिल्प सौंदर्य स्पष्ट कीजिए । [2]

प्र.9) केदारनाथ सिंह या असगर वजाहत का साहित्यिक परिचय लिखिए । [2]

प्र.10) संचित रुपयों के व्यय हेतु सूरदास की क्या योजनाएँ थी? [2]

प्र.11) 'अपना मालवा खाऊ–उजाड़ू सभ्यता में' पाठ में दुष्काल से बचने का क्या उपाय बताया है? [2]

प्र.12) अन्योक्ति अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । [2]

प्र.13) कहानी लेखन में द्वंद्व के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । [2]

प्र.14) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग का अंतर स्पष्ट कीजिए । [2]

प्र.15) पत्रकार के रूपों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । [2]

खण्ड – स

निर्देश – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए ।

प्र.16) ''विद्यापति के पदों में वर्णित विरहिणी की कातरता स्वाभाविक है ।'' कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए । [3]

अथवा

रघुवीर सहाय की कविता 'तोडो' प्रकृति और मानव के संपृक्त संबंधों की गुंज है । स्पष्ट कीजिए ।

प्र.17) 'दूसरा देवदास' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी लिखिए । [3]

अथवा

'कुटज' पाठ में वर्णित कुटज की विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

प्र.18) ''बिस्कोहर की माटी अपनी मातृभूमि के प्रति अनुराग की अभिव्यंजना है ।'' कथन का विश्लेषण कीजिए । [3]

अथवा

'सूरदास की झोंपड़ी' दुर्धर्ष संघर्ष चेतना का दस्तावेज है । स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड – द

प्र.19) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । [5]

''और कितना कड़ा करुँ दिल?..... माँ से कहना, मैं भाई–भाभियों का नौकरी करके पेट पालूँगी । बच्चों की जूठन खाकर एक कोने में पड़ी रहूँगी, लेकिन यहाँ अब नहीं ।

..... अब नहीं रह सकूँगी ।..... कहना यदि माँ मुझे यहाँ से नहीं ले जाएगी तो मैं किसी दिन गले में घड़ा बाँधकर पोखरे में डूब मरुँगी । ..... बथुआ–साग खाकर कब तक जीऊँ? किस लिए ..... किसके लिए?'' हरगोंबिन का रोम–रोम कलपने लगा । देवर देवरानियाँ भी । कितने बेदर्द हैं । ठीक अगहनी धान के समय बाल–बच्चों को लेकर शहर से आएँगे । दस–पंद्रह दिनों में कर्ज़–उधार की ढेरी लगाकर वापस जाते समय दो–दो मन के हिसाब से चावल–चूड़ा ले जाएँगे ।

अथवा

धर्म के रहस्य जानने की इच्छा प्रत्येक मनुष्य न करें, जो कही जाए वही कान ढलकाकर सुन ले, इस सत्ययुगी मत के समर्थन में घड़ी का दृष्टांत बहुत तालियाँ पिटवाकर दिया जाता है । घड़ी समय बतलाती है । किसी घड़ी देखना जानने वाले से समय पूछ लो और काम चला लो । यदि अधिक करो तो घड़ी देखना स्वयं सीख लो किंतु तुम चाहते हो कि घड़ी का पीछा खोलकर देखें, पुर्ज़े गिन लें, उन्हें खोलकर पुनः जमा दे, साफ़ करके फिर लगा लें – यह तुमसे नहीं होगा । तुम उसके अधिकारी नहीं । यह तो वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है कि घड़ी के पुर्ज़े जानें, तुम्हे इससे क्या?

प्र.20) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । [5]

यह वह विश्वास नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा,
वह पीड़ा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा;
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के धुँधुआते कड़ुवे तम में
यह सदा–द्रवित, चिर जागरूक, अनुरक्त–नेत्र
उल्लंब–बाहु, यह चिर–अखंड अपनापा ।
जिज्ञासु, प्रबुद्ध, सदा श्रद्धामय, इसको भक्ति को दे दो–
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो ।

अथवा

अरुण यह मधुमय देश हमारा !
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस तामरस गर्भ विभा पर–नाच रही तरुशिखा मनोहर ।
छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा !
लघु सुरधनु से पंख पसारे–शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए–समझ नीड़ निज प्यारा ।

प्र.21) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए । [6]

अ) भारत की बढ़ती खेल उपलब्धियाँ

ब) राजस्थान की शौर्य परंपरा

स) भ्रष्टाचार : राष्ट्र विकास की मुख्य बाधा

द) मेरा स्वप्निल करियर

⌘⌘⌘

DO NOT WRITE ANYTHING HERE